पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

धन्वन्तरि जयन्ती के अवसर पर राज्यपाल द्वारा 'शतायु की ओर' पत्रक का लोकार्पण

धन्वन्तरि वाटिका में राज्यपाल ने 'रक्तचंदन' का पौधा रोपित किया

आयुर्वेद भारत की पद्धति है, आयुर्वेदिक औषधियों का कोई दुष्प्रभाव नहीं होता

--राज्यपाल

लखनऊः 21 अक्टूबर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज श्री धन्वन्तरि जयन्ती के अवसर पर राजभवन स्थित धन्वन्तरि वाटिका में आयुर्वेद जनक श्री धन्वन्तरि के चित्र पर माल्यार्पण किया तथा पूजन किया। इस अवसर पर राज्यपाल तथा उनकी पत्नी श्रीमती कुंदा नाईक ने 'रक्तचंदन' के पौधे रोपित किये तथा उन्होंने 'शतायु की ओर' के चतुर्दशम् अंक का लोकार्पण भी किया।

राज्यपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए राजभवन में 13 वर्ष पूर्व की गई धन्वन्तरि वाटिका की स्थापना को एक अच्छी पहल बताया। उन्होंने आयुर्वेद पद्वति को सुरक्षित पद्वति बताते हुए कहा कि आयुर्वेद भारत की पद्धति है और आयुर्वेदिक औषधियों के कोई दुष्परिणाम नहीं होते। उन्होंने कहा कि अच्छे स्वास्थ्य से मनुष्य की कार्यक्षमता बढ़ती है और हम यह संकल्प करें कि स्वयं का स्वास्थ्य अच्छा रखें तभी सबके शतायु होने की कामना सम्भव है।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा, श्री संजीव मित्तल तथा राज्यपाल की प्रमुख सचिव, सुश्री जूथिका पाटणकर ने 'पलाश लता' के पौधे रोपित किये। कार्यक्रम में सचिव, राज्यपाल, श्री चन्द्र प्रकाश, एन0बी0आर0आई के निदेशक, डा0 सी0एस0 नौटियाल के साथ आयुर्वेद, वन, कृषि, उद्यान, के अधिकारी तथा सीमैप के वैज्ञानिक सहित राजभवन के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

चिकित्साधिकारी (आयुर्वेद) एवं प्रभारी अधिकारी धन्वन्तरि वाटिका, आयुर्वेदाचार्य डा0 शिव शंकर त्रिपाठी ने स्वागत उद्बोधन में बताया कि औषधीय पौधों के ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य को लेकर इस धन्वन्तरि वाटिका की स्थापना 24 फरवरी, 2001 को हुई जिसका उद्घाटन तत्कालीन राज्यपाल, श्री विष्णुकांत शास्त्री द्वारा कुछ औषधि पौधे रोपित कर किया गया था। धन्वन्तरि वाटिका, राजभवन द्वारा प्रकाशित 'शतायु की ओर' का यह चतुर्दशम् अंक मेदोरोग (अतिस्थूलता) के बारे में है। उन्होंने कहा कि आज के भौतिकवादी युग में तेजी से बदलती जीवन शैली में व्यक्ति का आहार-विहार प्रभावित हुआ है। समुचित मात्रा मंे भोजन न लेकर अनियमित एवं अधिक मात्रा में फास्ट फूड, कोल्डड्रिंक्स तथा तले-भुनें भोज्य पदार्थ ग्रहण करने से इस रोग की बढ़ोत्तरी तेजी से दिनों-दिन देखी जा रही है। एक अध्ययन के अनुसार भारत में लगभग तीन करोड़ लोग मोटापे से ग्रस्त हैं अनुमान है कि अगले पांच वर्षों में यह संख्या दोगुनी हो जायेगी। गम्भीर समस्या के रूप में बढ़ रहे इस रोग को पहचानने, बचाव के उपाय तथा चिकित्सा के बारे में सारगर्भित जानकारी का उल्लेख इस अंक में किया गया है।